



Activities : July 2022

7th Students Conference on Engineering & Systems (SCES-2022) [July 01, 2022]

Inaugural ceremony of 7th Students Conference on Engineering & Systems (SCES-2022) on Theme :- "Technology and Innovations for Global Sustainability" was organized in Hybrid mode on July 01, 2022 by the Department of Electrical Engineering and co-sponsored by IEEE Joint Societies Chapter of Industrial Electronics, Power Electronics and Control System (IE/PEL/CS) and technically sponsored by IEEE Uttar Pradesh Section.

Director, MNNIT Allahabad graced the inaugural session. Dr. A. K. Tripathi, Advisor, Ministry of New & Renewable Energy (MNRE), New Delhi, was the chief guest of the inaugural session.



Moti Maha Milan 2022 (MNNIT Alumni meet 2022) [July 03, 2022]

Moti Maha Milan 2022 (MNNIT Alumni meet 2022) was organized in Mumbai. Prof R.S. Verma, Director, MNNIT Allahabad, Prayagraj graced the occasion and informed that Department of Science and Technology (DST) GOI has sanctioned Rs. 5 crores for setting up a Technology Business Incubation (TBI) center at MNNIT Allahabad to promote entrepreneurship, startups and development of an Ecosystem. The MNNIT Allahabad invites it's esteemed Alumni to actively participate in promotion and life long sustainability of TBI at MNNIT Allahabad, Prayagraj.





Achievement / Award [July 11, 2022]

A research paper titled "Kinetics of co-gasification of rice husk biomass and high sulphur petroleum coke with oxygen as gasifying medium via TGA"; (published in June 2020) authored by Zavin R. Gajera, Komal Verma, Shyam P. Tekade, Ashish N. Sawarkar has featured in the list of most cited articles in Bioresource Technology Reports, an Elsevier publication (The list comprises 25 most cited articles published since 2019). The first two authors, Mr. Zavin Gajera (Reg. No. 2018CL06) and Ms. Komal Verma (Reg. No. 2018CL07) have done their M. Tech. (Chemical Engineering) (2019-20) theses under the guidance of Dr. Ashish N. Sawarkar, Assistant Professor (Grade-I), Department of Chemical Engineering, MNNIT Allahabad.

Achievement / Award [July 15, 2022]

A research paper titled "Inspection of Overhead Power Transmission Conductors with Autonomous Quadcopter" (Accepted in June 2022) authored by MD. Faiyaz Ahmed, J. C. Mohanta has received Best Paper Award in the 3rd Electric Power and Renewable Energy Conference (EPREC-2022), conducted by EE Department, National Institute of Technology Jamshedpur, held during May 27-29, 2022, published by SPRINGER, Scopus-indexed Lecture Notes in Electrical Engineering (LNEE). The first author, Mr. MD. Faiyaz Ahmed (Reg. No. 2019RME53) is a Research scholar (Mechanical Engineering) under the guidance of Dr. J. C. Mohanta (Second Author), Associate Professor, Department of Mechanical Engineering.

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : सशक्त और समृद्ध भारत हेतु तकनीकी शिक्षण संस्थानों की भूमिका [July 03, 2022]

दिनांक 20 जुलाई 2022 को संस्थान के सेमिनार हाल में एक दिवसीय-कार्यशाला का आयोजन इस्टीट्यूट इनोवेशन काउंसिल तथा प्रयुक्त यांत्रिकी विभाग, मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद के सह-संयोजन में किया गया। इस कार्यशाला के प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि संस्थान के निदेशक प्रो० आर०एस० वर्मा, विशिष्ट अतिथि श्री शैलेन्द्र जायसवाल, प्रिंसिपल-एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, डी०आर०डी०ओ० एवं डॉ० विभा मिश्रा, चेयरमैन, स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, ई०यु०पी०सी०सी०, एवं अन्य प्रमुख अतिथि श्री सुमित पाण्डेय, राष्ट्रीय प्रमारी, थिंक इंडिया, प्रो० गीतिका, प्रो० एल०के० मिश्रा और प्रयुक्त यांत्रिकी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ० अभिषेक कुमार रहे। कार्यशाला में अतिथियों का स्वागत उनको पौधा प्रदान करके किया गया। कार्यशाला संयोजक डॉ० अनुभव रावत द्वारा सेमिनार हाल में उपस्थित सभी अतिथियों तथा प्रतिभागियों का स्वागत एवम् अभिनन्दन किया गया तथा इस कार्यशाला की रूपरेखा के बारे में संक्षिप्त परिचय कराया गया। इस कार्यशाला का समापन कार्यशाला के समन्वयक आचार्य रवि प्रकाश तिवारी द्वारा किया गया। उन्होंने सभी मुख्य अतिथियों, तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों तथा प्रतिभागियों को इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिये धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस कार्यशाला के द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि उ०प्र० सरकार के विशेष सचिव, आई०टी० श्री कुमार विनीत, आई०ए०एस० रहे। इसके अतिरिक्त एन०आई०टी० जयपुर से डॉ० अरुण वर्मा, उ०प्र० इनोवेशन हब से श्री महीप सिंह, श्री रीतेश सक्सेना एवम् प्रयागराज के विभिन्न स्टार्टअप उद्यमी श्री भानु प्रताप, श्री सुनील जायसवाल जी, एन०आई०टी० रायपुर से डॉ० अनुज शुक्ला रहे। आई०आई०टी० कानपुर के श्री निख्खी कुमार झा विशेष आकर्षण स्टार्टअप से उपस्थित रहे।

इस कार्यशाला का संचालन संस्थान के विधि सहायक श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु डॉ० रमेश पाण्डेय, ओ०एस०डी० के द्वारा अथक प्रयास किया गया। इस कार्यशाला को आई०आई०सी०, मिनिस्ट्री आफ एजुकेशन, हैप्पी कल्चर तथा अंजली यूनीसेक्स सैलून एवम् एकादमी के द्वारा प्रायोजित किया गया।





Activities : July 2022

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 : सशक्त और समृद्ध भारत हेतु तकनीकी शिक्षण संस्थानों की भूमिका [July 03, 2022]



कोआर्डिनेटेड मूवमेंट वाला ड्रोन [July 22, 2022]

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज के डॉ. जगदीश चन्द्र मोहनता, सह-आचार्य एवं शोध छात्र मोहम्मद फैयाज अहमद, यान्त्रिकी अभियांत्रिकी विभाग के द्वारा पावर ट्रांसमिशन टावर में फाल्ट का पता लगाने वाला कोआर्डिनेटेड मूवमेंट वाला ड्रोन तैयार किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो० आर०एस०वर्मा ने इस विशिष्ट उपलब्धि पर शोध दल के साथ समस्त संस्थान को बधाई दी।

एमएनआईटी : पावर ट्रांसमिशन टावर में फाल्ट का पता लगाएगा कोआर्डिनेटेड मूवमेंट वाला ड्रोन

राजनीश मिश्र

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान ने एक खास तकनीक से युक्त ड्रोन तैयार किया है। इससे ट्रांसमिशन लाइन वाले टावरों में होने वाले फाल्ट को खोजने में काफी मदद मिलेगी और काम समय लगेगा। भारत में इस तकनीक पर बनाया गया है यह पहला ड्रोन है, जो ट्रांसमिशन लाइन में होने वाली फाल्ट को पता करने में सहायता करेगा। जीपीएस युक्त होने से एक निश्चित दूरी पर स्थिर रहकर और विभिन्न कोणों से लाइन में खराबी को तस्वीर और वीडियो के माध्यम से कैच करेगा। फिर इसके माध्यम से लाइन में आई खराबी को दूर किया जाएगा। इस खास किसम के ड्रोन को विभाग ने पेटेंट के लिए भेजा है।

मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष अशोक चंद्र मोहनता ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ सॉलर टेक्नोलॉजी की ओर से 2019 में यह प्रोजेक्ट मिला था। यह 24.123 लाख रुपये का प्रोजेक्ट था। इस पर एमएनआईटी प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग और शोध छात्र मोहम्मद फैयाज ने काम शुरू किया। डॉ. जेसी मोहनता ने बताया कि ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइन के निरीक्षण के पारंपरिक तरीके आज के युग में अनुपयुक्त स्थिति हो रहे हैं। इसमें कई तरह की कठिनाइयों के साथ काफी समय लगता है। ट्रांसमिशन टावरों को ऊंचाई और चौड़ाई अधिक होती है। ऐसे में इन्हें निरीक्षण चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए डॉ. जेसी मोहनता और मोहम्मद फैयाज ने जीपीएस सिस्टम से युक्त ड्रोन तैयार किया। जो दूरदराज इलाके (जंगल, पहाड़) से गुजरी पावर ट्रांसमिशन लाइनों से एक निश्चित दूरी पर उड़ता है। संघ

एमएनआईटी में तैयार ड्रोन।

मोहम्मद फैयाज और डॉ. जेसी मोहनता

ट्रांसमिशन लाइन के छुपे फाल्ट को खोज लेगा 'ड्रोन'

जगदीश चन्द्र मोहनता

ट्रांसमिशन लाइन में फाल्ट को खोजने की दृष्टि से यह एक नए तरीके का पेटेंट करवाया जा रहा है। डॉ. जेसी मोहनता और मोहम्मद फैयाज ने इस तकनीक पर काम किया है।

94 प्रतिशत सटीक निरीक्षण किया जायेगा

एनएनआईटी के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जेसी मोहनता और उनके शोध छात्र मोहम्मद फैयाज को डिपार्टमेंट ऑफ सॉलर टेक्नोलॉजी की ओर से 2019 में यह प्रोजेक्ट मिला था। इस पर एमएनआईटी प्रोफेसर मैकेनिकल इंजीनियरिंग और शोध छात्र मोहम्मद फैयाज ने काम शुरू किया। डॉ. जेसी मोहनता ने बताया कि ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइन के निरीक्षण के पारंपरिक तरीके आज के युग में अनुपयुक्त स्थिति हो रहे हैं। इसमें कई तरह की कठिनाइयों के साथ काफी समय लगता है। ट्रांसमिशन टावरों को ऊंचाई और चौड़ाई अधिक होती है। ऐसे में इन्हें निरीक्षण चुनौतीपूर्ण कार्य है। इसके लिए डॉ. जेसी मोहनता और मोहम्मद फैयाज ने जीपीएस सिस्टम से युक्त ड्रोन तैयार किया। जो दूरदराज इलाके (जंगल, पहाड़) से गुजरी पावर ट्रांसमिशन लाइनों से एक निश्चित दूरी पर उड़ता है। संघ



एमएनआईटी में ट्रांसमिशन लाइन की फाल्ट की जांच के लिए बनाया गया ड्रोन।

ड्रोन बताएगा ट्रांसमिशन लाइन के फाल्ट

प्रयागराज, संवाददाता। एमएनआईटी के वैज्ञानिकों ने एक अनोखा सेंसरयुक्त ड्रोन तैयार किया है। इस ड्रोन से ट्रांसमिशन लाइन वाले टावरों के फाल्ट आसानी से खोजे जा सकेंगे। मैकेनिकल विभाग के डॉ. जगदीश चंद्र मोहनता ने ड्रोन डिपार्टमेंट के प्रोजेक्ट के तहत तीन साल में तैयार किया है। अनोखे ड्रोन को पेटेंट के लिए विभाग ने भेज दिया है। यह ड्रोन जीपीएस से युक्त होने से एक निश्चित दूरी से स्थिर रहकर और विभिन्न कोणों से लाइन में खराबी की तस्वीर और वीडियो के माध्यम से सट करेगा। डॉ. जगदीश चंद्र ने बताया कि डिपार्टमेंट ऑफ सॉलर टेक्नोलॉजी की ओर से 2019 में यह प्रोजेक्ट मिला था। यह 24.12 लाख रुपये का प्रोजेक्ट था। इस प्रोजेक्ट पर शोध छात्र मोहम्मद फैयाज संग काम शुरू किया। डॉ. मोहनता ने बताया कि ओवरहेड पावर ट्रांसमिशन लाइन के निरीक्षण में काफी समय लग रहा है। ट्रांसमिशन टावरों की ऊंचाई और चौड़ाई अधिक होती है। यह ड्रोन जो दूरदराज इलाके (जंगल, पहाड़) से गुजरी पावर ट्रांसमिशन लाइनों से एक निश्चित दूरी पर उड़कर पावर ट्रांसमिशन टावर लाइन की कमियों की फोटो खींच लेता है। इसका फाल्ट कम समय में दूर किया जा सकता है।

त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला [July 28-30, 2022]

मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान इलाहाबाद, प्रयागराज के सिविल इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 जुलाई, 2022 को संस्थान के सेमिनार हॉल में 'शहरी और ग्रामीण राजमार्गों के लिए सड़क सुरक्षा अभियन्त्रण विषय पर आयोजित त्रिदिवसीय (28, 29, 30 जुलाई, 2022) राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में माननीय श्री कौशल किशोर जी, राज्य मंत्री आवास और शहरी विकास, भारत सरकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के निदेशक प्रो० आर०एस० वर्मा ने किया। मुख्य अतिथि माननीय राज्य मंत्री ने सड़क सुरक्षा और नशा मुक्ति अभियान पर जोर देते हुए सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं के लिए 'नशा' को जिम्मेदार ठहराया और लोगों से अपील की कि आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर नशा न करने का संकल्प लें। अध्यक्ष के रूप में संस्थान के निदेशक ने लोगों में यातायात और सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने को प्राथमिकता दी। कार्यशाला के समन्वयक प्रो० ए०के० सिंह ने अपने उद्बोधन में राज्य मार्गों और अन्य सड़कों के समन्वित सुरक्षा की बात की जिसमें अभियन्त्रण, शिक्षा, पर्यावरण एवं कानूनों का प्रवर्तन शामिल है। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन सिविल इंजीनियरिंग विभाग के प्रो० एल० के० मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का संचालन संस्थान के विधि सहायक श्री प्रमोद कुमार द्विवेदी ने किया। कार्यक्रम में संस्थान के आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, प्रशासनिक अधिकारी, छात्रगण एवं कर्मचारीगण मौजूद रहें।



त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला [July 28-30, 2022]



Farewell Function of Retired Employees [July 29, 2022]

Prof. G. K. Mehrotra, Professor, Department of Chemistry, MNNIT Allahabad superannuated from the services of Institute on July 31, 2022. Retirement function has been organized in the presence of Director, MNNIT Allahabad on July 29, 2022 (Friday).

